प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.8/2023)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2023

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

तुरंत जारी करने हेतु

"30 सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए
"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने **30 सितम्बर, 2022** को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट" जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा **1 जुलाई, 2022 से 30 सितम्बर, 2022** की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-**011-232**34367 एवं ई-मेल advfea2@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

वि. रघुनंदन

वि. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट
जुलाई से सितम्बर, 2022

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या सितम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 850.95 मिलियन हो गई जो कि जून, 2022 के अंत में 836.86 मिलियन थी जिसमें 1.68 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 850.95 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 30.82 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 820.13 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

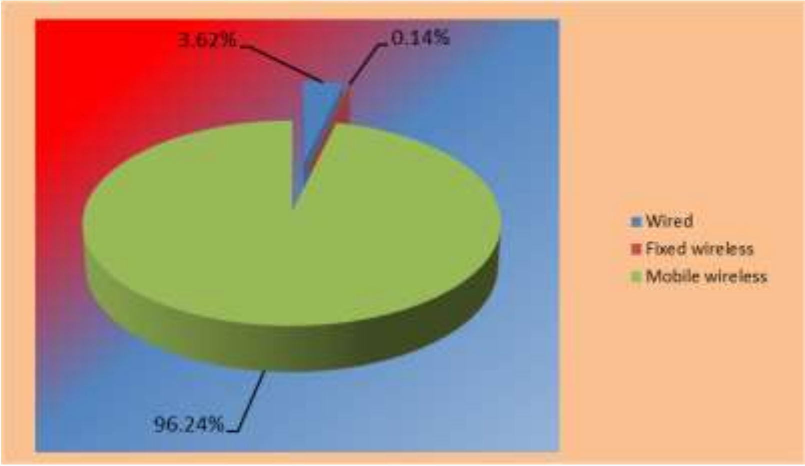

2. इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 815.93 मिलियन और नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 35.01 मिलियन है।

3. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 815.93 मिलियन हो गई जो कि जून, 2022 के अंत में 800.94 मिलियन थी जिसमें 1.87 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2022 के अंत में घटकर 35.01 मिलियन हो गई जो कि जून, 2022 के अंत में 35.92 मिलियन थी, जिसमें 2.52 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

4. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 26.47 मिलियन हो गयी जो कि जून, 2022 के अंत में 25.57 मिलियन थी जिसमें 3.54 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई और सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 14.43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

5. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 3.31 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ सितम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 1.92 प्रतिशत हो गया जो कि जून, 2022 के अंत में 1.86 प्रतिशत था।

6. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 2.81 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 137.31 रुपए हो गया जो कि जून, 2022 को समाप्त तिमाही को 133.55 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 26.96 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो गया।

7. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 132.91 रूपए हो गया जो कि जून, 2022 को समाप्त तिमाही को 128.61 रूपए था हालांकि इसी तिमाही के दौरान प्रतिमाह पोस्ट-पेड एआरपीयू 197.55 रुपए से घटकर 192.50 रुपए हो गया।

8. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए 2.14 प्रतिशत की ह्रास दर के साथ समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए घटकर 894 मिनट हो गया जो कि जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए 914 मिनट था।

9. वारयलेस प्रीपेड सेवा के लिए सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह घटकर 920 मिनट हो गया जो कि जून, 2022 को समाप्त तिमाही में 936 मिनट था। पोस्ट-पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता भी प्रति माह सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में घटकर 567 मिनट हो गया जो कि जून, 2022 को समाप्त तिमाही में 621 मिनट था।

10. सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमश: 83,767 करोड़ रुपए, 74,713 रुपए तथा 61,981 करोड़ रुपए रहा। सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 9.63 प्रतिशत की, एपीजीआर में 1.24 प्रतिशत की तथा एजीआर में 2.40 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 24.47 प्रतिशत तथा 15.83 प्रतिशत दर्ज की गई।

12. सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 13,415 करोड़ रुपए से बढ़कर 13,445 करोड़ रुपए हो गया। पास-थ्रू-प्रभार में तिमाही वृद्धि दर 0.22 प्रतिशत और वर्ष-दर-वर्ष आधार पर ह्रास दर 2.50 प्रतिशत रही।

13. सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 4,921 करोड़ रुपए हो गया जो कि जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए 4,844 करोड़ रुपए था। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 1.60 प्रतिशत तथा 15.23 प्रतिशत रही।

<u>समायोजित सकल राजस्व का वितरण</u>

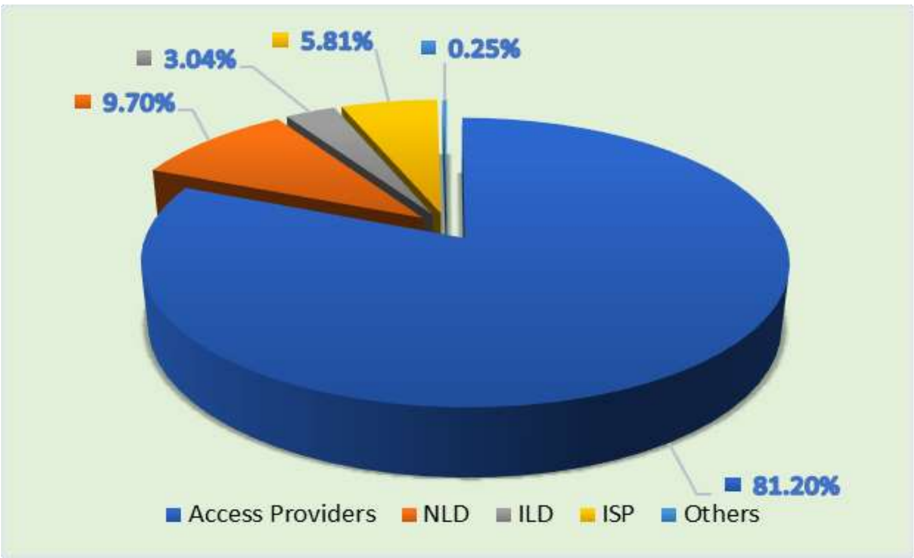

14. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 81.20 प्रतिशत का योगदान दिया। सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः 12.34 प्रतिशत, 2.51 प्रतिशत, 2.71 प्रतिशत, 2.71 प्रतिशत, -29.92 प्रतिशत एवं 2.03 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

15. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2022 के अंत में 1,172.96 मिलियन से घटकर सितम्बर, 2022 के अंत में 1,171.92 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.09 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 1.45 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 30 जून, 2022 को 85.13 प्रतिशत से घटकर 30 सितम्बर, 2022 को 84.86 प्रतिशत रहा।

<u>**देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान**</u>

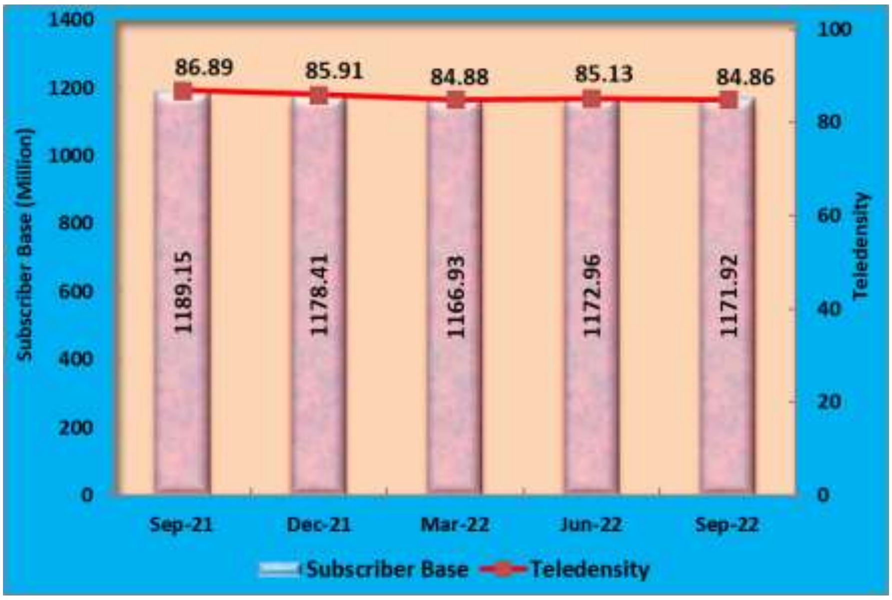

16. सितम्बर, 2022 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 651.61 मिलियन हो गई जो कि जून, 2022 के अंत में 649.09 मिलियन थी हालांकि इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 134.72 प्रतिशत से घटकर 134.62 प्रतिशत हो गया।

17. सितम्बर, 2022 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या घटकर 520.30 मिलियन हो गई जो कि जून, 2022 के अंत तक 523.87 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 58.46 प्रतिशत से घटकर 58.01 प्रतिशत हो गया।

18. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी सितम्बर, 2022 के अंत तक घटकर 44.40 प्रतिशत हो गई जो कि जून, 2022 के अंत तक 44.66 प्रतिशत थी।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

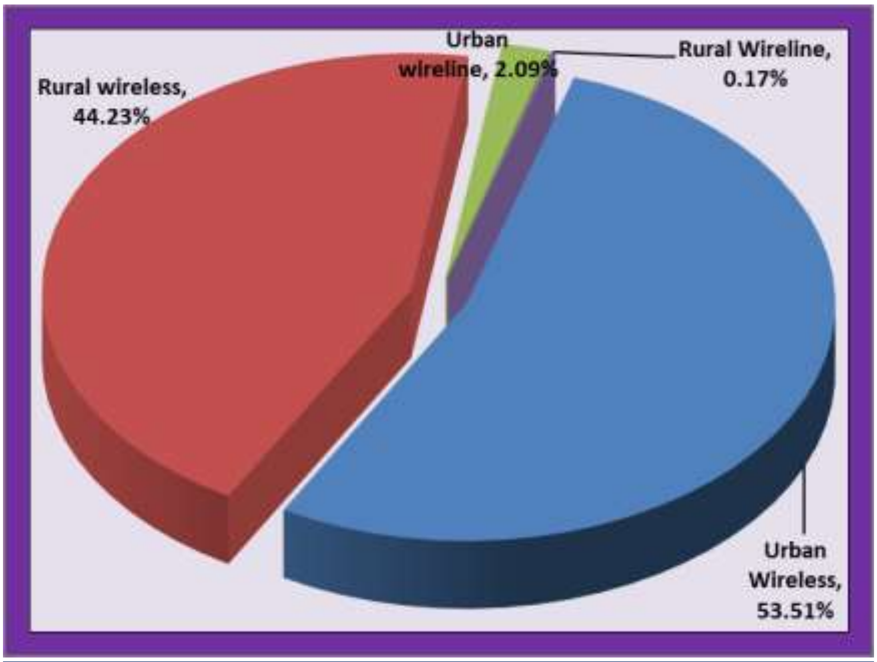

19. इस तिमाही के दौरान 1.94 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल कमी के साथ कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2022 के अंत तक घटकर 1,145.45 मिलियन हो गई जो कि जून, 2022 के अंत तक 1,147.39 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.17 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 1.76 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गयी।

20. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 0.39 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर के साथ सितम्बर, 2022 के अंत में घटकर 82.94 प्रतिशत हो गया जो कि जून, 2022 के अंत में 83.27 प्रतिशत था।

21. इस तिमाही के दौरान वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा सेवा की गुणवत्ता संबंधी बेंचमार्कों के संदर्भ में निम्नलिखित पैरामीटरों को पूरा किया गया है: -

i. फॉल्ट की घटनाओं की संख्या 100 उप/माह दोषों की संख्या) - ≤ 7

ii. इंटरकनेक्शन प्वाइंट (पीओआई) कनजेशन (सं बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) - ≤ 0.5%

iii. मीटरिंग और बिलिंग विश्वसनीयता - पोस्ट-पेड ≤ 0.1%

iv. मीटरिंग और बिलिंग विश्वसनीयता - प्री-पेड ≤ 0.1%

v. बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट और वैधता शिकायतों का समाधान - 4 सप्ताह के भीतर 98%

vi. बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट और वैधता शिकायतों का समाधान - 6 सप्ताह के भीतर 100%

vii. ग्राहक के लिए क्रेडिट/छूट/समायोजन लागू करने की अवधि - शिकायत के समाधान का 1 सप्ताह

22. वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा निम्नलिखित पैरामीटरों ने सेवा की गुणवत्ता में सुधार दर्शाया है:-

- % मरम्मत का औसत समय" (एमटीटीआर) ≤10Hs

23. निम्नलिखित पैरामीटरों ने वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में गिरावट दिखाई है: -

- अगले कार्य दिवस (ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए) तक 75% ≥ फॉल्ट की मरम्मत
- 7 दिनों के भीतर (ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए) 100% ≥ फॉल्ट की मरम्मत की गई
- कॉल सेंटर/कस्टमर केयर की पहुंच 95% ≥

❖ ऑपरेटरों द्वारा नब्बे सेकंड के भीतर उत्तर दिए गए कॉल की % (वॉयस टू वॉयस) 95% ≥

24. इस तिमाही के दौरान सेल्यूलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा सेवा की गुणवत्ता संबंधी बेंचमार्को के संदर्भ में निम्नलिखित पैरामीटरों को पूरा किया गया है: -

क्र.सं.	**पैरामीटर**	**बेंचमार्क**
i.	***नेटवर्क संबंधित पैरामीटर***	
1	**नेटवर्क उपलब्धता**	
(i)	बीएस संचित डाउन-टाइम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) (%)	2%
(ii)	डाउन-टाइम (%) के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीएस	2%
2	**कनेक्शन स्थापना (पहुंच)**	
(i)	सर्किट स्विच्ड वॉयस या वीओएलटीई के लिए कॉल सेट-अप सफलता दर और सत्र स्थापना सफलता दर जो लागू हो (लाइसेंसधारक के अपने नेटवर्क के भीतर)	95%
(ii)	एसडीसीसीएच / पेजिंग चैनल कंजेशन / आरआरसी कंजेशन (%)	≤ 1%
(iii)	टीसीएच, आरएबी और ई-आरएबी कंजेशन (%)	2%
3	**कनेक्शन रखरखाव (क्षमता बनाए रखें)**	
(i)	नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर स्थानिक वितरण उपाय [नेटवर्क_ क्यूएसडी (90,90)]	2%
(ii)	नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर अस्थायी वितरण उपाय [नेटवर्क_ क्यूटीडी (97,90)]	3%
4	अच्छी वॉयस क्वालिटी, सर्किट स्विच्ड वॉयस क्वालिटी और वीओएलटीई क्वालिटी के साथ कनेक्शन	95%
5	"प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन" (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) (तिमाही की अवधि में औसत)	≤ 0.5%
6	डाउन लिंक (डीएल) पैकेट ड्रॉप दर या डीएल - पीडीआर	2%
7	अप लिंक (यूएल) पैकेट ड्रॉप दर या यूएल-पीडीआर	2%
II.	***सब्सक्राइबर सेवा गुणवत्ता पैरामीटर***	
8	**मीटरिंग और बिलिंग**	
(i)	मीटरिंग और बिलिंग विश्वसनीयता - पोस्ट पेड	≤ 0.1%
(ii)	मीटरिंग और बिलिंग विश्वसनीयता - प्री पेड	≤ 0.1%
(iii)	बिलिंग/चार्जिंग/वैधता शिकायतों का समाधान	4 सप्ताह के भीतर 98%
	बिलिंग/चार्जिंग/वैधता शिकायतों का समाधान	6 सप्ताह के भीतर 100%

(iv)	शिकायतों के समाधान की तारीख से सब्सक्राइबर के खाते में क्रेडिट/छूट/समायोजन लागू करने की अवधि	शिकायत के समाधान के 1 सप्ताह के भीतर
9	**सेवा की समाप्ति/बंद करना**	
(i)	सेवा को समाप्त करने / बंद करने के लिए %आयु अनुरोधों का 7 दिनों के भीतर अनुपालन किया गया	7 दिनों के भीतर 100%
(ii)	बंद होने के बाद जमाराशियों की वापसी में लगने वाला समय	60 दिनों के भीतर 100%

25. सेलुलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा निम्नलिखित पैरामीटरों ने QoS में सुधार दिखाया है:

- ❖ कॉल सेंटर/कस्टमर केयर की पहुंच 95% ≥

26. निम्नलिखित पैरामीटरों ने सेलुलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में गिरावट दिखाई है:

- ❖ ऑपरेटरों द्वारा उत्तर दिए गए कॉल की % (वॉयस टू वॉयस) 90 सेकंड के भीतर

27. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल लगभग 885 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है।

28. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 872 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 30 सितम्बर 2022 तक, 353 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 353 पे चैनलों में, 254 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं और 99 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

29. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। देश में पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या सितम्बर 2022 के अंत में 4 थी।

30. देश में पे-डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 30 सितम्बर, 2022 को लगभग 65.58 मिलियन हो गई है। यह संख्या दूरदर्षन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

31. आल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को 36 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 113 शहरों में कुल 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे।

32. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 30 सितम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 385.86 करोड़ रूपये रही जो कि 30 जून, 2022 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 345.12 करोड़ रूपये थी।

33. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 सितम्बर, 2022 को देश में कुल 374 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियां

30 सितम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,171.92
पिछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.09 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	651.61
ग्रामीण उपभोक्ता	520.30
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.61 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.39 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	84.86 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	134.62 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.01 प्रतिशत
वायरलैस उपभोक्ता	
कुल वायरलैस उपभोक्ता	1,145.45
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.17 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	627.14
ग्रामीण उपभोक्ता	518.31
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.21 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.79 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	82.94 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	129.56 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.79 प्रतिशत
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	40,126
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	65,823
वीसैट की कुल संख्या	2,65,505
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	26.47 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.54 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	24.48 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	1.99 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	36.59 प्रतिशत
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	63.41 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.92 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.22 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	5.06 प्रतिशत
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	68,606
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	57,125

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	83,767 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	9.63 प्रतिशत
तिमाही के दौरान प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर)	74,713 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.24 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	61,981 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.40 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्‌यमों की हिस्सेदारी	4.23 प्रतिशत
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	850.95
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.68 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ता	35.01 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	815.93
वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ता	30.82 मिलियन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ता	820.13
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	507.13
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	343.82
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	61.62
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	104.77
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	38.33
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	1,76,989
कुल खपत डेटा (जीबी)	1,66,21,376
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिकिंग/केवल डाऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	885
प्रसारकों के द्‌वारा रिपोर्ट किये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	353
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	388
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	65.58 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	374
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	137.31 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	894 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मिनट	91.36 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्‌वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	17.18 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा प्रयोग के लिए औसत मूल्य	9.94 रुपए